लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3988
दिनांक 25.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

पारम्परिक बुनकरों के लिए योजना

3988. डॉ. जयंत कुमार रायः

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जलपाईगड़ी जिले में हथकरघा और वस्त्र उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं.

(ख) क्या सरकार ने इस क्षेत्र में पारम्परिक बुनकरों की सहायतार्थ कोई योजना शुरू की है; और

(ग) क्या स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए उत्तरी बंगाल में वस्त्र पार्क या हथकरघा क्लस्टर स्थापित करने की कोई योजना है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) और (ख): वस्त्र मंत्रालय जलपाईगड़ी सहित पूरे देश में हथकरघा क्षेत्र सहित वस्त्र उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं/पहलों को कार्यान्वित कर रहा है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क स्कीम शामिल है, जिसका उद्देश्य एक आधुनिक, एकीकृत, विश्व स्तरीय टेक्सटाइल अवसंरचना का निर्माण करना; मांग आधारित, प्लेसमेंट उन्मुख, कौशल कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से टेक्सटाइल क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ योजना; रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के व्यापक विकास के लिए रेशम समग्र-2; पारंपरिक हथकरघा बुनकरों को शुरू से आखिर तक सहायता प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और कच्चा माल आपूर्ति योजना भी उपलब्ध हैं।

(ग): इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क (एसआईटीपी) योजना के तहत हावड़ा, पश्चिम बंगाल में दो टेक्सटाइल पार्क अर्थात ईआईजीएमईएफ अपैरल पार्क लिमिटेड और वेस्ट बंगाल होजरी टेक्सटाइल पार्क को स्वीकृति प्रदान की गई है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत, मुर्शिदाबाद में एक मेगा हथकरघा क्लस्टर और उत्तर बंगाल में 2 छोटे हथकरघा क्लस्टरों सहित पश्चिम बंगाल में 19 छोटे हथकरघा क्लस्टर शुरू किए गए हैं।

*****